केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 85 शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कात्यायनीः अमोघ फलदायिनी हैं मां दुर्गा की छठवीं शक्ति

चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी।।

नवरात्रि में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

इस देवी को नवरात्रि में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती परात्मबा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया।

इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। ये वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं।

भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी। इसीलिए ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इनका स्वरूप अत्यंत भव्य और दिव्य है। ये स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं।

इनकी चार भुजाएं हैं। दाईं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में। मां के बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है।

एक नजर

फंदे से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गणेशपुर पश्चिम टोला में गुरुवार सुबह नवनिर्मित मकान में 23 वर्षीय युवक का शव लोहे की चौखट से रस्सी के सहारे लटका मिला। युवक की पहचान रमेश पुत्र रामकिशोर के रूप में हुई है। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा समेत अन्य कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रमेश 14 अक्टूबर की शाम शराब पीने के बाद घर से कहीं चला गया था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों को उसकी चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे रमेश के भाई सुरेश और पिता रामकिशोर नवनिर्मित मकान में पहुंचे। वहां लोहे की चौखट में रस्सी के सहारे रमेश का शव लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिजन स्तब्ध रह गए।

प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार राय के अनुसार, मौके पर पंचायतनामा और अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में मृतक के भाई सुरेश ने 15 अक्टूबर को वाल्टरगंज थाने पहुंचकर पुलिस को प्रार्थनापत्र दिया। पुलिस ने सूचना दर्ज कर उपनिरीक्षक अर्जुन यादव, हेड कांस्टेबल हरिशंकर पांडेय और कांस्टेबल शैलेष यादव को मौके पर भेजा। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार राय के अनुसार, मौके पर पंचायतनामा और अन्य आवश्यक कार्रवाई प्रचलित है। घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है। परिजनों के मुताबिक, रमेश को शराब, गांजा और भांग सहित अन्य नशे के सेवन की आदत थी। हालांकि, युवक की मौत के पीछे की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है। घटना से परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है।

माफिया अतीक अहमद से मुक्त कराई जमीन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया आवासीय योजना का भूमि पूजन

–कसारी–मसारी का नाम अब कृष्णपुरी

प्रयागराज (आभा)। मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद से कसारी–मसारी में मुक्त कराई जमीन पर आवासीय योजना का भूमि पूजन किया। योगी ने बताया कि कसारी–मसारी में इस योजना में गरीबों के लिए 602 फ्लैट बनाने जा रहा है। योगी ने कहा कि नवरात्रि में पद्म लोक आवासीय योजना को लाने जा रहे हैं। योगी ने बिजली पासी के नाम पर आईटीआई बनवाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यहां एक आईटीआई बनेगी। उन्होंने कहा कि कसारी–मसारी को अब कृष्णपुरी के नाम से जाना जाएगा। यहां पर पद्म लोक बसने जा रहा है। इस दौरान योगी गरजे भी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया की जगह मिट्टी में है। अब यह जगह माफियागिरी नहीं विकास के लिए जानी जाएगी। दरअसल, कसारी–मसारी अतीक अहमद का गढ़ जाता है।

मुख्यमंत्री योगी ने 9,811 वर्ग मीटर भूमि पर 191 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले आवासों का मंत्रोच्चार के बीच विधि–विधान से भूमि पूजन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पीपलगांव में निर्मित 556 आवासों की चाबियां भी लाभार्थियों को वितरित कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रयागराज विरासत और विकास की नई पहचान बना रहा है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कहा कि सपा सरकार ने अपने सैफई सिंडिकेट के ऐसे व्यक्ति को आयोग का अध्यक्ष बनाया, जो स्वयं उस पद के योग्य नहीं था। इससे युवाओं के साथ घोर अन्याय हुआ। नौकरी का विज्ञापन निकलते ही चाचा–भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी। परीक्षा की तैयारी करने वाले नौजवान नौकरी पाने के लिए पैसे की व्यवस्था करने की चिंता में पड़ जाते थे। जिन्होंने परीक्षा तक नहीं दी, उन्हें नियुक्ति पत्र मिल जाते थे और मेहनत करने वाले युवा ठगा हुआ महसूस करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के हक के साथ खिलवाड़ करने वालों को अब उनसे समर्थन मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को प्रयागराज के गवर्नमेंट प्रेस मैदान में इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में आयोजित स्नातक मतदाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

बहुजन मुक्ति पार्टी की मण्डल स्तरीय जनसभा 17 को : वामन मेश्राम होंगे शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन मुक्ति पार्टी की मण्डल स्तरीय विशाल जनसभा को सफल बनाने के लिए आवास विकास स्थित पार्टी कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम के संयोजन में तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने जनसभा की तैयारियों की जानकारी देते हुए मंडल के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का दावा किया।

पत्रकारों से बातचीत में बहुजन मुक्ति पार्टी की महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता कस्बे ने बताया कि आगामी 17 अक्टूबर को राजकीय इण्टर कॉलेज के मैदान में मंडल स्तरीय विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जनसभा की अध्यक्षता राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक वामन मेश्राम करेंगे। वहीं, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्वांचल जोन प्रभारी विजय विक्रम चौहान करेंगे।

सुनीता कस्बे ने कहा कि इस जनसभा के माध्यम से लोगों को वामन मेश्राम के विचारों को सुनने और समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने लोगों से जनसभा में पहुंचकर महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन मुक्ति पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया।

इस दौरान बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आरके गौतम, मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, बहुजन मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आरके आरतियन, नितिन कुमार धीरज और मंडल उपाध्यक्ष मोहम्मद अजीम ने भी बस्ती मंडल के लोगों से जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाया जाएगा।

प्रधानाध्यापक ने अपने वेतन से 61 बच्चों को दिए स्कूल बैग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में प्रधानाध्यापक प्रकाशिनी शुक्ला ने गुरुवार को अपने वेतन से 61 बच्चों को निरूशुल्क स्कूल बैग वितरित किए। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रधानाध्यापक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत मुंडेरवा के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानाध्यापक द्वारा अपने वेतन से बच्चों को बैग उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। बैग मिलने से बच्चों को किताबें रखने में सहूलियत होगी और वे नियमित रूप से इसका उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश गौड़ ने कहा कि बच्चों को निरूशुल्क बैग उपलब्ध कराना प्रधानाध्यापक की संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं, प्राथमिक शिक्षक संघ के तहसील अध्यक्ष उमाकांत शुक्ल ने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षक हैं। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने पर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। प्रधानाध्यापक प्रकाशिनी शुक्ला ने अतिथियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में भी बच्चों के हित में निरंतर कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में सभासद प्रतिनिधि शत्रुघ्न चौधरी, शिक्षक लवली किरण त्रिपाठी, शिक्षामित्र कंचन यादव, कुसुम चौधरी, नगर पंचायत के लिपिक बजरंगी चौधरी सहित अभिभावक मौजूद रहे।

पहले प्रशिक्षण, फिर विदेश जाने की सोचे युवा– राजू निषाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। आर्यन मैन पावर सोलूशन गोटवा बाजार के संचालक राजू निषाद ने विदेश जाने वाले बेरोजगार नौजवानों को सावधान किया है कि वे ठगी का शिकार न हों। कहा कि पहले प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिस ट्रेड में रूचि हो उसका विधिवत प्रशिक्षण लेने के बाद ही विदेश यात्रा के बारे में सोचे।

आर्यन मैन पावर सोलूशन गोटवा बाजार के संचालक राजू निषाद ने बताया कि उनके यहां पहले युवकों को प्रशिक्षित किया जाता है, उसके बाद ही युवकों को वीजा के साथ विदेश भेजा जाता है। बताया कि उनरके यहां से प्रशिक्षित अनेक युवा

विदेशों में प्रति माह लाखों रूपयों का वेतन प्राप्त कर अपने परिवार के सपनों को साकार कर रहे हैं। राजू निषाद ने बताया कि प्रायः देखा गया है कि कुछ युवा विदेश जाने की हडबड़ी में ठगों के चंगुल में फस जाते हैं और उनका परिवार तबाह हो जाता है।

जयन्ती पर समाजवादियों ने किया पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। उपस्थित लोगों ने डा. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ उनके योगदान पर चर्चा किया।

समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि डा. कलाम की जयंती को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है, यह दिन छात्रों को यह बताता है कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण और सही दिशा में प्रयास करना आवश्यक है। डॉ. कलाम शिक्षा के प्रबल समर्थक थे और मानते थे कि छात्रों में दुनिया में बड़ा बदलाव लाने की शक्ति है। वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेषकर मिसाइल विकास और अंतरिक्ष अनुसंधान में अपने काम के लिए जाने जाते थे, लेकिन उनमें

युवाओं को पढ़ाने और प्रेरित करने का भी विशेष जुनून था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, राजाराम यादव, दयाशंकर मिश्र, आर.डी. निषाद, मो. स्वाले, मो. सलीम, अजीत सिंह, हरीश गौतम, संजय गौतम, नवीन कुमार पाण्डेय आदि ने कहा कि डा. कलाम युवाओं के लिये प्रेरणा है। यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले सूरज की तरह जलें, श्रेष्ठता एक सतत प्रक्रिया है, कोई हादसा नहीं,. छोटा लक्ष्य अपराध है, लक्ष्य बड़ा रखें,आपका सपना सच हो, इससे पहले आपको सपना देखना होगा, ऐसे उनके विचारों ने देश को नई दिशा दिया। कठिन परिस्थिति में उन्होने वह कर दिखाया जो असंभव माना जाता था। वे सदैव याद किया जायेगा।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयन्ती पर याद करने वालों में मुख्य रूप से गुलाब सोनकर, अरविन्न्द सोनकर, नित्यराम चौधरी, भोलू अंसारी, अशोक सिंह, राम सिंह यादव, युनुस आलम, सुशील यादव, अकबर अली, रजवन्त यादव, तूफानी यादव, मधुबन यादव, जहीद अंसारी, आदित्य विक्रम सिंह, जयराज यादव, प्रशान्त यादव, जोखूलाल यादव, रामशंकर निराला, विवेक यादव 'डिम्पल', वीरेन्द्र चौधरी, इन्द्रावती शुक्ला, जीत बहादुर सिंह, हनुमान प्रसाद चौधरी, दिनेश तिवारी, सदावृक्ष तिवारी, मो. कामिल, मुलायम यादव, अशोक यादव, राजेन्द्र यादव, राहुल सिंह, बदरूल हसन, कुलदीप मौर्या, मन्नू सिंह, लवकुश के साथ ही अनेक सपा नेता कार्यकर्ता शामिल रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त से मांगा जवाब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इण्डिया अलायंस को बड़ी राहत दी है। अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं की याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर दिया है। इस याचिका के जरिए भारत में चल रही यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और मतदाताओं के नाम काटे जाने को चुनौती दी गई थी।

गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, राकांपा एसपी की नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत, भाकपा के डी राजा और कुछ अन्य नेता भी इस याचिका में शामिल हैं। विपक्षी नेताओं की तरफ से दी गई याचिका पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला की बेंच सुनवाई कर रही थी। बेंच ने चुनाव आयोग याचिकाओं पर मुख्य चुनाव आयुक्त और आयोग से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कहा, 'हम नोटिस जारी कर रहे हैं और इसे पहले से लंबित मामलों के साथ टैग कर रहे हैं।

एटीएम से रुपए निकालने में मदद करने के बहाने ठगी करने वाले गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एटीएम से रुपए निकालने में मदद करने के बहाने कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के चार सदस्यों को कलवारी पुलिस और सर्विलांस टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 103 एटीएम कार्ड, 15,430 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन, एक स्वाइप मशीन, कूटरचित नंबर प्लेट और वारदात में इस्तेमाल किया कार बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर को कलवारी थाना क्षेत्र के कुसौरा बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक (च्छठ) के एटीएम पर आफताब आलम रुपये निकाल रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद दो युवकों ने मदद करने के बहाने उनका एटीएम

कार्ड ले लिया। च्छ जानने के बाद आरोपियों ने कार्ड बदल दिया और उनके खाते से 30 हजार रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर कलवारी थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। इसी क्रम में हरियाणा के हिसार जिले के बिट्टू कुमार, राहुल, मनीष और आर्यन को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि आरोपी किआ कार से अलग–अलग जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में जाते थे। एटीएम के पास लोगों को मदद का भरोसा देकर बातचीत में उलझाते और उनका कार्ड बदलकर पिन जान लेते थे। इसके बाद दूसरे एटीएम से रुपये निकालते थे। साथ ही भारतपे स्वाइप मशीन के जरिए भी रकम ट्रांसफर करते थे।

त्रिवेणी बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष, फूलचन्द जिला सचिव घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन बस्ती सदर तहसील की बैठक गुरूवार को पूर्वान्चल उपाध्यक्ष प्रदीप किसान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गन्ना मूल्य वृद्धि किये जाने, बकाया मूल्य भुगतान के साथ ही किसान समस्याओं पर चर्चा के बाद संघर्ष की रणनीति बनायी गई। इसी कड़ी में सर्व सम्मत से त्रिवेणी चौधरी को बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष और फूलचन्द चौधरी को जिला सचिव का दायित्व सौंपा गया।

सदर तहसील परिसर में हुई बैठक में भाकियू जिलाध्यक्ष विनोद कुमार चौधरी ने कहा कि किसान एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऊपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। बारिश में हुई फसलों के नुकसान का किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिला। बस्ती, गोविन्दनगर शुगर मिल बंद है और

–भाकियू की बैठक में किसान समस्याओं पर चर्चाःसंघर्ष का निर्णय

बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान अभी तक नहीं मिला। ऐसे अनेक सवालों को लेकर भाकियू आन्दोलन छेड़ेगी।

बैठक में मुख्य रूप से पारसनाथ गुप्ता, रामकृष्ण, अभिलाष श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश दूबे, कन्हैया किसान, राम नयन किसान, दीनदयाल, फूलचन्द, वंश गोपाल, राम किशोर, हीरालाल, महाबीर, आज्ञाराम, राम सागर, तिलकराम, राम महीपत, ब्रम्हदेव, दिलीप, रवि प्रसाद, इब्राहीम, बाबूराम, सन्तराम के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सोशल ऑडिट कर्मचारियों ने 15 सूत्री मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को सोशल ऑडिट वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक राम प्रकाश के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दिया कि यदि 20 दिनों के भीतर समस्याओं को समाधान न हुआ तो शांतिपूर्ण धरना, घेराव और रैली किया जायेगा।

ज्ञापन देने के बाद एसोसिएशन संयोजक राम प्रकाश ने बताया कि सोशल ऑडिट कर्मचारी पिछले कई वर्षों से सीमित मानदेय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हो सका है। 12 अक्टूबर से सोशल ऑडिट कर्मचारी 15 सूत्रीय मांगों के समर्थन में काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं किन्तु सरकार और जिम्मेदार चुप्पी साधे हुये हैं।

जिला विकास अधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, आयुक्त ग्राम्य विकास लखनऊ, निदेशक सोशल आडिट निदेशालय लखनऊ आदि को भेजे ज्ञापन में मांग किया गया है कि जिला एवं ब्लॉक सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटरों सहित अन्य कर्मचारियों के वर्षों से लंबित मानदेय, व्यावसायिक शुल्क और अन्य भुगतानों का तत्काल निस्तारण कराया जाय। संगठन ने जिला सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर

–समस्याओं का निस्तारण न होने पर आन्दोलन की चेतावनी

का मानदेय 50 हजार रुपये प्रतिमाह तथा ब्लॉक सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर का मानदेय 40 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही महंगाई को देखते हुए बीआरपी और वीआरपी के मानदेय में भी उचित वृद्धि की मांग उठाई गई है।

एसोसिएशन के वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार दूबे, कोषाध्यक्ष दिनेश लाल श्रीवास्तव ने कहा कि लगभग 16 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में वर्तमान महंगाई और अन्य संविदा कर्मचारियों की सेवा शर्तों के अनुरूप वृद्धि की जानी चाहिए, ताकि वे अपने परिवार का भरण–पोषण सम्मानजनक ढंग से कर सकें। सोशल ऑडिट का कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है। ऐसे में फील्ड कार्य की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हुए यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते में वृद्धि की जानी चाहिए। इसके साथ ही जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को लैपटॉप, एंड्रॉयड डिवाइस, इंटरनेट सुविधा और योजनाओं के प्रचार–प्रसार के लिए मिनी लाउडस्पीकर उपलब्ध कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से राम प्रकाश, श्रीकान्त तिवारी, मधुबाला, सुधारानी, कुन्तेश वर्मा, वन्दना शुक्ला, प्रेम प्रकाश, दिनेश कुमार, राजकुमार, त्रिलोकीनाथ, अमरनाथ, सुन्दरी, फूल कुमारी, विद्या वर्मा, विजय मिश्र आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

महंगाई की मार

पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 11.39 फीसद हो गई, जो अगस्त में 9.92 फीसद थी। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन एवं बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसी माह के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर तेईस माह के उच्च स्तर 5.54 फीसद पर पहुंच गई, जो अगस्त में 4.83 फीसद थी।

इसमें दोराय नहीं कि महंगाई का प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की बचत, जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सवाल है कि जरूरी वस्तुओं के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की ओर से तात्कालिक एवं प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं! क्या सरकार को इस बात का भान नहीं है कि इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ सकता है?

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। भारत अपने कच्चे तेल का अधिकतर हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। इन बढ़ी हुई लागतों का असर खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा है। मगर अहम सवाल यह है कि तात्कालिक और भावी परिस्थितियों का आकलन कर सरकार की ओर से इस संकट से निपटने के लिए समय पर कोई प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए गए?

हालांकि बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.25 फीसद की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसद कर दिया था। मगर, महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती। खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बनती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से लोगों का बैंकों से कर्ज लेना और महंगा होने की संभावना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसद से बढ़कर सितंबर में 8.66 फीसद हो गई, जबकि विनिर्मित वस्तुओं की दर बढ़कर 9.76 फीसद पर पहुंच गई। ईंधन एवं बिजली की महंगाई दर भी 22.93 फीसद से बढ़कर 25.85 फीसद हो गई।

महंगाई का सबसे ज्यादा प्रभाव निम्न और मध्य वर्ग पर पड़ता है। जिन लोगों की आय सीमित है, उनके लिए अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता है। इस तरह महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता बढ़ने का कारण भी बन जाती है। इससे निपटने के लिए सबसे जरूरी है कि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे और इसके लिए सरकार को कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने जैसे उपायों को कड़ाई से लागू करना होगा। आर्थिक विकास की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब आम आदमी की आय के साथ उसकी क्रयशक्ति भी बढ़े और वह सम्मानजनक जीवन जी सके।

असहमति का सिमटता दायरा?

लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि जनता को अपनी बात कहने, समाज के हित में आवाज उठाने और सरकार की नीतियों एवं निर्णयों पर असहमति जताने की स्वतंत्रता होती है। जब नागरिकों को लगता है कि उनकी समस्याओं को अनसुना किया जा रहा है, तब वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। दिल्ली के जंतर–मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला इसी संदर्भ में सवालों के घेरे में है। यह स्थल करीब साढ़े तीन दशक से लोकतंत्र का जीवंत प्रतीक रहा है, जहां लोग इस उम्मीद के साथ आंदोलन करने पहुंचते थे कि उनकी आवाज सत्ता में बैठे लोगों तक पहुंचेगी।

ऐसे स्थल को अगर बिना किसी ठोस वजह के प्रदर्शन के लिए स्थायी तौर पर अनुपलब्ध कर दिया जाए तथा कुछ ऐसे स्थानों का विकल्प दिया जाए, जो शहर के केंद्र से दूर हों और आम लोगों के लिए सुविधाजनक न हों, तो क्या इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करने के रूप में नहीं देखा जाएगा! ऐसे में यह सवाल उठना भी स्वाभाविक है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए उपलब्ध महत्त्वपूर्ण स्थानों को सीमित करके क्या असहमति की आवाज को नियंत्रित किया जा सकता है?

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने रविवार को एक आदेश जारी कर प्रदर्शनों के लिए जंतर–मंतर को निर्धारित स्थलों की सूची से हटा दिया है। यानी यहां अब कोई भी नागरिक अपनी असहमति या मांग को लेकर आवाज बुलंद नहीं कर पाएगा। जंतर–मंतर पर धरना–प्रदर्शनों की शुरुआत 1990 के दशक की शुरुआत में हुई थी। उसके बाद से यह स्थल अन्ना हजारे के अनशन से लेकर नीट पेपर लीक के खिलाफ हाल के आंदोलन तक का गवाह रहा है। सवाल है कि अब ऐसा क्या हुआ कि शासन–प्रशासन को जंतर–मंतर पर किसी भी तरह के प्रदर्शन पर स्थायी रोक लगानी पड़ी? यह सवाल इसलिए गंभीर है, क्योंकि पुलिस का यह आदेश ऐसे समय में आया है, जब देश की राजधानी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में प्रदर्शनों का दौर जारी है। हाल में काकरोच जनता पार्टी की ओर से जंतर–मंतर पर बुलाए गए प्रदर्शन के दौरान कानून–व्यवस्था को बनाए रखने का हवाला देते हुए रेल और मेट्रो सेवाओं पर सीमित पाबंदी के साथ सुरक्षाबलों ने जिस तरह की नाकेबंदी की, उससे यह सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि क्या सरकार जनता के विरोध को अब खुद के लिए असुविधा के रूप में देख रही है? जंतर–मंतर के विकल्प के तौर पर दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित किया है। रामलीला मैदान जंतर–मंतर से चार किलोमीटर दूर है, जबकि सीबीडी मैदान करीब बारह किलोमीटर और बुराड़ी मैदान लगभग इक्कीस किलोमीटर दूर है। इन स्थलों पर आए दिन कई कार्यक्रम होते रहते हैं और ऐसे में यहां पर बड़े प्रदर्शन के लिए जगह मिलना आसान नहीं होगा। लोकतंत्र में जनता की असहमति को सरकार के खिलाफ गतिविधि से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। समस्याओं का समाधान प्रदर्शन स्थलों को समाप्त करने या सीमित करने से नहीं, बल्कि संवाद और समन्वय से तलाशा जाना चाहिए। मजबूत लोकतंत्र वही होता है, जहां सत्ता के समर्थन के साथ–साथ उसके विरोध में उठने वाली आवाजों को भी सम्मानपूर्वक सुना जाता है।

आन्दोलनों के नये तेवर में कांग्रेस और सरकार

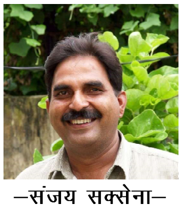

—संजय सक्सेना—

भारतीय राजनीति में विचारधाराओं का टकराव नया नहीं है, लेकिन देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस में हाल के वर्षों में जो वैचारिक बदलाव आया है, वह न केवल हैरान करने वाला है, बल्कि गंभीर सवाल भी खड़े करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी से राजनीतिक विरोध की आड़ में कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने विरोध की सभी मर्यादाओं को ताक पर रख दिया है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हमेशा से उनके निशाने पर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में यह मनमुटाव इस स्तर पर पहुंच चुका है, जहां व्यक्तिगत और दलीय विरोध अब देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने लगा है। राजनीतिक लाभ और वोट बैंक की इस अंधी दौड़ में राहुल गांधी को अब वे चेहरे सबसे अधिक भा रहे हैं, जिनकी पहचान केवल और केवल देश विरोधी और अराजक गतिविधियों से जुड़ी रही है। जेएनयू से निकले वामपंथी उग्रवाद के पैरोकार कन्हैया कुमार को पार्टी में मुख्यधारा का पद देना हो, या फिर शरजील इमाम और उमर खालिद जैसे तत्वों के बयानों और हरकतों में राजनीति के अवसर तलाशना हो, कांग्रेस का यह नया चेहरा उसकी पुरानी राष्ट्रीय मुख्यधारा की छवि से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

देश के संवेदनशील हिस्सों को भारत से अलग करने की बात करने वाले शरजील इमाम या दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपों से घिरे उमर खालिद जैसे चेहरों के इर्द–गिर्द खड़े होकर जिस तरह का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है, वह साफ तौर पर देश की संप्रभुता के खिलाफ खड़े होने जैसा है। इन तथाकथित युवा नेताओं के बयानों और उनकी रणनीतियों का यदि गहराई से विश्लेषण किया जाए, तो इसमें एक स्पष्ट विदेशी एजेंडा और वैश्विक भारत–विरोधी टूलकिट की गूंज सुनाई देती है। जब संसद, न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी भारत की सबसे मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अंतरराष्ट्रीय मंचों से सवाल उठाए जाते हैं, तो राहुल गांधी के सुर बिल्कुल उन्हीं विदेशी ताकतों और थिंक–टैंकों से मिलते हैं, जो भारत की बढ़ती वैश्विक साख को पचा नहीं पा रहे हैं। भारत के भीतर असंतोष पैदा करने, युवाओं को भड़काने और विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास की खाई को गहरा करने के लिए जिस तरह वामपंथी विचारधारा का सहारा लिया जा रहा है, वह बेहद खतरनाक है। कन्हैया कुमार और शरजील इमाम जैसों का एजेंडा कभी भी लोकतांत्रिक सुधार नहीं रहा, बल्कि उनका उद्देश्य देश की आंतरिक स्थिरता को ध्वस्त करना रहा है। जब देश के टुकड़े करने के नारे लगाने वालों और विदेशी फंडिंग के सहारे भारत को बदनाम करने वाली ताकतों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी दिखाई देती है, तो यह साफ हो जाता है कि सत्ता की छटपटाहट में राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को भी दांव पर लगा दिया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने समय–समय पर राहुल गांधी की इसी आत्मघाती सोच के कारण पार्टी से किनारा कर लिया, क्योंकि वे अपनी आंखों के सामने उस दल का पतन नहीं देख सकते थे, जिसने कभी आजादी के आंदोलन का नेतृत्व किया था। आज कांग्रेस के मंचों पर देश के दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की जगह वामपंथी और चरमपंथी विचारधारा के लोग घेरा बनाए रहते हैं, जो राहुल और प्रियंका की हर सही–गलत बात में हां में हां मिलाने का काम करते हैं। यह स्थिति इस गंभीर सवाल को जन्म देती है कि क्या राहुल गांधी जानबूझकर कांग्रेस का वामपंथीकरण कर रहे हैं? इसका उत्तर कांग्रेस की मौजूदा कार्यशैली और उनके सलाहकारों की पृष्ठभूमि में साफ देखा जा सकता है। कांग्रेस धीरे–धीरे अपनी मध्यमार्गी और सर्वसमावेशी राजनीति को छोड़कर घोर वामपंथी और विभाजनकारी एजेंडे की तरफ बढ़ चुकी है। पार्टी के पुराने और कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर जेएनयू और वामपंथी थिंक–टैंक से आए लोगों को नीति–निर्धारक बना दिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी जैसे असंसदीय और निम्न स्तर के बयानों को बढ़ावा देना और देश की जनता द्वारा चुनी गई सरकार को हर स्तर पर अवैध ठहराने की कोशिश करना इसी वामपंथी सोच का हिस्सा है, जो अराजकता में ही अपना भविष्य देखती है। हालात यह हैं कि कांग्रेस पार्टी में आमतौर पर पूरा ध्यान और लाइमलाइट गांधी परिवार या पार्टी के बहुत वरिष्ठ नेताओं तक ही सीमित रहता है। लेकिन अक्टूबर 2026 में इंडिया गठबंधन की एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बेहद चौंकाने वाला दृश्य देखा गया। राहुल गांधी ने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं की कतार को बीच में ही रोककर, पीछे खड़ीं नेहा बोरा को खुद आगे बुलाया और उनके हाथ में माइक थमा दिया।

यह राजनीतिक रूप से एक बहुत बड़ा संकेत था, जिसने स्थापित किया कि राहुल गांधी वामपंथी छात्र चेहरों को अपने मंच पर कितनी बड़ी प्राथमिकता दे रहे हैं। नेहा बोरा को कांग्रेस आलाकमान द्वारा दिए जा रहे इस अभूतपूर्व महत्व से खुद कांग्रेस के भीतर और उसकी अपनी छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया यानी एनएसयूआई के कैडर्स में भारी आंतरिक असंतोष और असहजता है। राहुल गांधी की इस राजनीति ने कांग्रेस को एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां उसे राष्ट्रहित से बड़ा अपना संकुचित वोट बैंक नजर आता है। विदेशी जमीन पर जाकर भारत के लोकतंत्र को मृत घोषित करना और विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की गुहार लगाना इसी वैचारिक गुलामी का प्रमाण है। कांग्रेस का यह पूरी तरह से बदला हुआ वामपंथी स्वरूप न केवल पार्टी के ऐतिहासिक अस्तित्व को मिटा रहा है, बल्कि देश विरोधी तत्वों को मुख्यधारा की राजनीति में लाकर भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा भी पैदा कर रहा है। राहुल की अविश्वास वाली राजनीति के चलते पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस पार्टी के कई कद्दावर, युवा और दशकों पुराने निष्ठावान नेताओं ने आलाकमान की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा दे दिया। इसमें गुलाम नबी आजाद जैसे मुस्लिम चेहरे भी शामिल हैं।

सत्ता से सवाल या व्यवस्था में व्यवधान?

— डॉ. सत्यवान सौरभ—

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के माध्यम नहीं हैं, बल्कि नागरिकों को अपनी माँगें रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध–प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त म भ ीईकि हत्त्व नहीं मिल पाता।

शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है।

वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, आरक्षण, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध–प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर लंबे समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए।

संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असीमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ–साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मार्गों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो सकती है।

शाहीन बाग विरोध–प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध–प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोध के बीच अंतर करना चाहिए।

इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध–प्रदर्शन का अधिकार असीमित है और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति। उद्देश्य ऐसा संतुलन स्थापित करना होना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन भी अनावश्यक रूप से बाधित न हो।

निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सक्षम अधिकारियों को उपद्रव या संभावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है। गंभीर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में ऐसे उपाय आवश्यक हो सकते हैं, लेकिन उनका आधार वास्तविक परिस्थितियाँ होनी चाहिए और उनका दायरा तथा अवधि उचित रूप से सीमित होने चाहिए। शांतिपूर्ण सभाओं के विरुद्ध व्यापक या नियमित रूप से ऐसे आदेशों का प्रयोग संवैधानिक स्वतंत्रताओं को कमजोर कर सकता है।

एक अन्य चिंता प्रतिबंधों के असमान और पक्षपातपूर्ण प्रयोग की है। यदि प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने के नियम राजनीतिक विचारधारा अथवा प्रदर्शनकारियों की पहचान के आधार पर अलग–अलग लागू किए जाते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना को अपने आप राष्ट्र–विरोध या राज्य के प्रति शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। किसी प्रदर्शन की माँगों से असहमत होना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने का आधार नहीं हो सकता।

वर्तमान परिस्थितियों में भारत को सार्वजनिक प्रदर्शनों के प्रति अधिक पारदर्शी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। अनुमति देने की प्रक्रिया सरल, निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए। प्रशासन को प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने चाहिए तथा अस्पतालों, आपातकालीन मार्गों और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए। मार्ग, समय और भीड़ प्रबंधन से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए प्रदर्शन आयोजकों, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के बीच संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारतीय प्रतिभाओं पर अमेरिकी निर्भरता

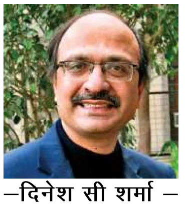

—दिनेश सी शर्मा —

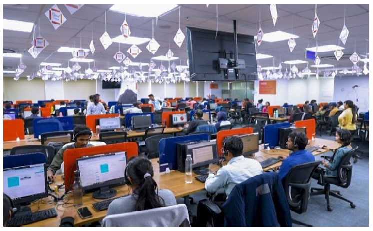

आउटसोर्सिंग व्यवसाय के अलावा, सिलिकॉन वैली का प्रौद्योगिकी पावरहाउस काफी हद तक भारत व अन्य आप्रवासियों की प्रतिभाओं से चलाया जाता है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों से लेकर प्रौद्योगिकी उद्योग तक, प्रतिभा का स्रोत इन्हीं छात्रों से भरा हुआ है। सिलिकॉन वैली में दर्जनों नवाचार भारतीय मूल के उद्यमियों द्वारा स्थापित या संचालित किए जा रहे हैं।

हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम के तहत विदेशी कामगारों के लिए वीजा पर रोक लगाने की घोषणा कर दी। यह एक ऐसा कदम है, जिसका प्रभाव शीर्ष अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ–साथ प्रमुख भारतीय आउटसोर्सिंग कंपनियों पर भी पड़ेगा। दलील है कि प्रौद्योगिकी उद्योग अमेरिकी कामगारों को काम पर रखने से बचने के लिए रोजगार–आधारित श्रम कार्यक्रम का दुरुपयोग करता है। नए प्रतिबंधों से बड़ी संख्या में भारतीयों सहित सभी विदेशी प्रौद्योगिकी कामगारों की नियुक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिन्होंने ग्रीन कार्ड और अंततः नागरिकता अर्जित करने के लिए एच–1बी वीजा का उपयोग किया था। एक के बाद एक आए अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एच–1बी वीजा कोटा को लटकाए रखा। वर्ष 2008 में, राष्ट्रपति ओबामा ने विदेशों से आउटसोर्सिंग करवाने वाली कंपनियों के लिए कर छूट समाप्त करने की घोषणा की थी। बाद में जो बाइडेन ने भी ऐसा ही किया।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने सस्ते श्रम की उपलब्धता का लाभ उठाने पर ज्यादा ध्यान दिया। सन् 1960 के दशक में, उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण के साथ ऐसा किया, जो उस समय भारी श्रम–साध्य कार्य था। कालांतर में उन्होंने सॉफ्टवेयर सेवाओं और प्रोग्रामिंग के मामले में यही किया। फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर के अध्यक्ष रॉबर्ट नॉयस ने विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के उद्देश्य से 1960 के दशक में भारत आदि देशों का दौरा किया। भारत ने इनकार किया, तो वे हांगकांग चले गए। नॉयस ने कुछ साल बाद इंटेल की स्थापना की। अन्य अमेरिकी कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स और इंटीग्रेटेड सर्किट विनिर्माण के लिए सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान को चुना, जिससे ये देश अगले दो दशकों में प्रौद्योगिकी विनिर्माण के केंद्र बन गए। भारत ने 1970 और 1980 के दशक में मौका संभालते हुए अमेरिकी ग्राहकों के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन, सॉफ्टवेयर सेवाओं और प्रोग्रामिंग में काम करना शुरू किया।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्योग के साथ भारत का जुड़ाव कई पड़ावों से गुजरा है। इसकी शुरुआत छोटे पैमाने पर 'बॉडी शॉपिंग' से हुई, जिसमें भारतीय इंजीनियर अमेरिकी ग्राहकों के लिए अल्पकालीन अनुबंध के आधार पर काम करते थे। वे काम पूरा होने के बाद लौट आते थे। अगले चरण में, यह एक ऑनसाइट मॉडल के रूप में विकसित हुआ, जिसमें भारतीय कंपनियों ने अपने उन श्रमिकों को भेजा, जो दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम करते हुए अमेरिकी कंपनियों के कार्यबल का हिस्सा बने। जैसे–जैसे भारतीय कंपनियों ने अपने ग्राहकों का विश्वास हासिल किया और संचार प्रणाली के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ, इस ऑनसाइट काम का कुछ हिस्सा भारत से ऑफशोर मॉडल के रूप में निष्पादित होना शुरू हो गया।

जल्द ही, अमेरिकी कंपनियों को अहसास हुआ कि अमेरिका में भारतीयों को बुलाकर काम पर रखने और भारतीय कंपनियों पर निर्भर रहने के बजाय, क्यों न वे सीधे खुद भारतीयों को काम पर रखें और भारत में परिचालन स्थापित करें। यह और भी किफायती था। वर्ष 1990 के दशक के अंत में माइक्रोसॉफ्ट ने शुरुआत की और कई अन्य तकनीकी कंपनियों ने इसका अनुसरण किया। फिर बैंकों, बीमाकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, एयरलाइंस, कानूनी फर्मों, वैश्विक परामर्श और ऑडिटिंग दिग्गजों तथा अन्य कंपनियों ने भी ऐसा ही किया। आज वे सभी अपने अधिकांश बैकरूम संचालन या व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, नोएडा आदि में स्थानांतरित कर चुके हैं।

पिछले दो दशकों में इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद विकास की आउटसोर्सिंग के साथ–साथ आउटसोर्सिंग व्यवसाय और अधिक विविध होता गया। बड़े निगमों ने अपने कुछ मुख्य कार्यों को संभालने के लिए भारत में समर्पित इकाइयां स्थापित कीं। यह बदलाव लागत–बचत से हटकर नवाचार, अनुसंधान और आईपी (बौद्धिक संपदा) निर्माण की ओर बढ़ रहा था। आज लगभग हर फॉर्च्यून–500 कंपनी का बेंगलुरु या हैदराबाद में पूर्ण स्वामित्व वाला वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) है। वर्ष 2025 में, ऐसे केंद्रों की संख्या 2,100 से अधिक थी, जिनमें 23 लाख 60 हजार लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इससे लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार होता है।

प्रत्येक तकनीकी परिवर्तन मेंकृ मेनफ्रेम से लेकर मिनी और माइक्रो कंप्यूटर, इंटरनेट और डॉटकॉम, वाई2के, मोबाइल एवं सोशल मीडिया, क्लाउड और बिग डेटा तककृभारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब वे एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रोलआउट और विभिन्न क्षेत्रों में गहन तकनीकी तैनाती के क्षेत्र में भी यही कर रही हैं। तो, प्रौद्योगिकी आउटसोर्सिंग की प्रक्रिया अमेरिका और भारत में गहराई से जुड़ी है और अपरिवर्तनीय है। बड़ी तकनीकी कंपनियों को तेजी से रोलआउट, वैश्विक सहायता, विस्तार और अन्य लाभों के लिए भारतीय इंजीनियरों और तकनीकी प्रतिभा की आवश्यकता है। वहीं, भारतीय कंपनियों को अपनी आय बनाए रखने, ऑपरेटिंग सिस्टम (विंडोज, ऐप्पल आईओएस, एंड्रॉइड) और विकास के लिए क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच के लिए अमेरिकी व्यवसाय की आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय इंजीनियरों ने अपने फायदे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए हैं, जैसे कि बड़ी संख्या में उनकी उपलब्धता, जो कंपनियों को अपना आकार बढ़ाने में सहायक है, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, विभिन्न कार्य वातावरणों में अनुकूलनशीलता और समस्या–समाधान का दृष्टिकोण। आउटसोर्सिंग व्यवसाय के अलावा, सिलिकॉन वैली का प्रौद्योगिकी पावरहाउस काफी हद तक भारत व अन्य आप्रवासियों की प्रतिभाओं से चलाया जाता है।

सामूहिक विवाह समारोह में 234 जोड़े बने हमसफर

संवाददाता–बलरामपुर। माया होटल में गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 234 जोड़ों का विवाह समारोह आयोजित किया गया। सरकार की इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता देना है, लेकिन समारोह में शामिल कुछ लाभार्थियों के बयानों से आयोजन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए। कुछ जोड़ों के परिवारों ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के बावजूद उनकी पारंपरिक शादी नवंबर में तय है। ऐसे में समारोह में विवाह की औपचारिकता पूरी करने और परिवार की ओर से बाद में आयोजित होने वाले विवाह के बीच अंतर सामने आया। रेहरा बाजार क्षेत्र के भगवानपुर निवासी पंकज वर्मा ने बताया कि उनकी शादी 21 नवंबर को होनी है। इसके बावजूद वह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के कार्यक्रम में शामिल हुए। उनकी होने वाली पत्नी नीलम की मां रेखा देवी ने बताया कि दोनों का रिश्ता नौ महीने पहले तय हुआ था। बाद में उन्हें सरकारी योजना की जानकारी मिली, जिसके बाद सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने का फैसला किया। रेखा देवी के मुताबिक, समारोह में औपचारिकता पूरी की गई है, जबकि वास्तविक शादी 21 नवंबर को होगी। उस दिन बारात आएगी और पारंपरिक तरीके से विवाह संपन्न कराया जाएगा।

छटईडीह निवासी लीलावती ने बताया कि उनकी बेटी अनुराधा का विवाह भगवानपुर निवासी मनीष से तय हुआ है। सामूहिक विवाह समारोह में बेटी की शादी करा दी गई है, लेकिन परिवार नवंबर में दोबारा विवाह की तैयारियां कर रहा है। समारोह में मिला सामान भी बाद में होने वाली शादी के समय बेटी को दिया जाएगा। लाभार्थियों के इन बयानों से योजना के तहत विवाह की प्रक्रिया और परिवारों की ओर से बाद में किए जाने वाले पारंपरिक आयोजनों को लेकर सवाल उठे हैं। समारोह में लाभार्थियों को दी जाने वाली वैवाहिक उपहार सामग्री को लेकर भी सवाल उठाए गए। सूची में चांदी की बिछिया और पायल शामिल नहीं होने की बात सामने आई। इस पर समाज कल्याण अधिकारी राहुल गुप्ता ने कहा कि लाभार्थियों के बैंक खातों में 60 हजार रुपये के बजाय 64 हजार रुपये दिए जाएंगे। योजना के तहत प्रति जोड़े एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान बताया गया है। इसमें वधू के बैंक खाते में 60 हजार रुपये, 25 हजार रुपये की वैवाहिक उपहार सामग्री और 15 हजार रुपये समारोह के आयोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाने की व्यवस्था है।

कार्यक्रम में बलरामपुर, हरैया सतघरवा, तुलसीपुर, गैसड़ी, पचपेड़वा, उतरौला, रेहरा बाजार, गैण्डास बुजुर्ग और श्रीदत्तगंज विकास खंडों के लाभार्थी शामिल हुए। इसके अलावा नगर पालिका परिषद बलरामपुर तथा नगर पंचायत तुलसीपुर, गैसड़ी, पचपेड़वा और उतरौला के पात्र जोड़ों ने भी हिस्सा लिया। सदर विधायक पलटूराम ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को सहायता दी जा रही है और सरकारी योजनाओं की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले गरीब परिवारों को बेटियों की शादी के लिए कर्ज लेना पड़ता था या मजदूरी करके पैसे जुटाने पड़ते थे।

प्राचीन स्तूप की परिक्रमा कर भिक्षुओं ने की पूजा–अर्चना

संवाददाता–महराजगंज। लक्ष्मीपुर क्षेत्र के बनरसिहा कला स्थित प्राचीन बौद्ध स्थल में आयोजित बौद्ध सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को श्रद्धा, आस्था और शांति का वातावरण देखने को मिला। प्राचीन बौद्ध टीले पर देश–दुनिया से आए बौद्ध भिक्षुओं और धर्मावलंबियों ने स्तूप की परिक्रमा कर पूजा–अर्चना एवं वंदना की। इस दौरान बौद्ध भिक्षुओं के सामूहिक उद्घोष बुद्धं शरणं गच्छामि से पूरा परिसर गूंज उठा। भिक्षुओं ने विश्व शांति, मानव कल्याण और सभी प्राणियों की सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना की। सम्मेलन में कपिलवस्तु से आए भंते अमित प्रिय ने बौद्ध धर्म को ध्यान, ज्ञान और दया का मार्ग बताते हुए कहा कि भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाएं आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को करुणा, मैत्री, अहिंसा और विश्व बंधुत्व के सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता है।

बौद्ध सम्मेलन की शुरुआत तथागत गौतम बुद्ध की वंदना, त्रिशरण और पंचशील के संकल्प के साथ हुई। इसके बाद बौद्ध भिक्षुओं ने प्राचीन स्तूप की परिक्रमा कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। भंते उत्तमानन्द ने कहा कि बौद्ध धर्म में अहिंसा, परोपकार और प्राणी मात्र के प्रति करुणा को विशेष महत्व दिया गया है। भंते अमित प्रिय ने कहा कि भगवान बुद्ध के पंचशील सिद्धांतों को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को सुखमय बना सकता है। सम्मेलन के दौरान उपस्थित बौद्ध भिक्षुओं और धर्मावलंबियों ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाने तथा ऐतिहासिक महत्व को व्यापक पहचान दिलाने पर जोर दिया। संचालन देवदह रामग्राम बौद्ध विकास समिति के अध्यक्ष जितेंद्र राव ने किया। इस अवसर पर जितेंद्र राव, महेंद्र जायसवाल, लक्ष्मीचन्द्र पटेल, हरिश्चंद्र चौधरी, रोहित गौतम, संतराम, अखिलेश कुमार, राममिलन, जयराम कोरी, प्रह्लाद सहित अनेक बौद्ध धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, पिता सहित चार घायल

संवाददाता–देवरिया। बघौचघाट–पथरदेवा मुख्य मार्ग पर गुरुवार सुबह दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। मदीना बाजार से आगे सुबह करीब 10रू35 बजे हुए इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पथरदेवा पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए देवरिया रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, रामपुर महुआबारी के टोला बेलम्हा बाजार निवासी अमिताभ प्रजापति पुत्र विंदेश्वरी प्रजापति अपनी बेटियों कुमकुम प्रजापति और ज्योति प्रजापति को बाइक से इलाज के लिए देवरिया ले जा रहे थे। बताया गया कि उनकी एक बेटी का पैर पहले हुए सड़क हादसे में फ्रैक्चर हो गया था। उसका इलाज कराने के लिए निजी अस्पताल में पहले से पर्ची बनवाई गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मदीना बाजार से आगे पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार युवक की पहचान कुशीनगर जिले के चौरा खास थाना क्षेत्र के सुमही निवासी सुहेल अंसारी के रूप में हुई है। वह भी दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी घायलों की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए देवरिया रेफर कर दिया।

पुलिसकर्मियों पर पशु तस्करों ने चढ़ाई पिकअप, सिपाही घायल, चालक गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। जिले के बनकटा थाना क्षेत्र में गुरुवार को पशु तस्करों ने पशु लदी गाड़ी को रोकने पहुंची पुलिस टीम पर पिकअप चढ़ाकर रौंदने का प्रयास किया। इस दुस्साहस में एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर पिकअप को पकड़ लिया। उसमें से बरामद चार गोवंशों को कब्जे में लेते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य सरगना फरार हो गया। बनकटा थाने की पुलिस भोर में गश्त पर थी। मुखबिर ने सूचना दी कि कार्यकाट गांव के समीप से कुछ ही देर में पशु लदी पिकअप गुजरने वाली है। इस पर पुलिस टीम हरकत में आ गई।

इस बीच एक पिकअप आते हुए नजर आई। पुलिस टीम ने पिकअप को रोकने का प्रयास किया तो चालक पुलिस टीम पर ही पिकअप चढ़ाकर भागने का प्रयास किया। पिकअप की ठोकर से सिपाही चंद्रशेखर कुमार घायल हो गए। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पिकअप को रोक लिया। टीम ने तलाशी ली तो चार गोवंश बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अरमान खान पुत्र टुनटुन खान निवासी बसारीखपुर थाना सिकंदरपुर जिला बलिया बताया। उसने बताया कि पशुओं को लेकर वह बिहार जा रहा था। गिरोह का सरगना मंसूर पुत्र भोला है, जो सिवान का रहने वाला है। वह फरार हो गया है। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास, गोवध निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।सीओ भाटपाररानी मनोज कुमार ने बताया कि बनकटा थाना क्षेत्र में पशु लदी पिकअप को घेराबंदी कर पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो चालक ने पुलिस टीम पर ही पिकअप चढ़ा कर रौंदने का प्रयास किया, जिससे एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर पिकअप को पकड़ लिया। चालक को गिरफ्तार किया गया है। फरार पशु तस्कर की गिरफ्तारी को दो टीमें लगाई गई हैं।

15 दिव्यांगजनों को मिली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

संवाददाता–बलरामपुर। दिव्यांगजनों के लिए सहारा ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई राह खोलने की पहल। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से अब 15 दिव्यांगजनों के लिए रोजमर्रा का सफर आसान होगा। वे शिक्षा, रोजगार और अन्य जरूरी कामों के लिए पहले से अधिक सहजता के साथ आवागमन कर सकेंगे। गुरुवार को डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने नील कोठी के समीप स्थित बचपन डे केयर सेंटर का गुरुवार दोपहर 1रू30 बजे निरीक्षण किया। इस दौरान दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 15 पात्र दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की गईं। वहीं, डीएम ने केंद्र में बच्चों की शिक्षा, देखभाल, पोषण और उपलब्ध सुविधाओं की हकीकत भी परखी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने केंद्र में पढ़ने वाले बच्चों से बातचीत कर उनकी शैक्षिक गतिविधियों और सीखने की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों का जायजा लेते हुए शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बच्चों की विशेष जरूरतों के अनुरूप शिक्षा देने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि दिव्यांग बच्चों में प्रतिभा और क्षमताओं की कमी नहीं होती। जरूरत उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अनुकूल वातावरण देने की है। उन्होंने बच्चों के मानसिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास के साथ उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। डीएम और सीडीओ ने केंद्र में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। केंद्र परिसर में साफ–सफाई और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया।

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। डीएम ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सहित केंद्र के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अयोध्या में ई–रिक्शा यूनियन की चुनावी हुंकार, प्रत्याशी उतारने के एलान से दलों की बढ़ेगी चुनौती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। विधानसभा चुनाव को लेकर अयोध्या में राजनीतिक सरगर्मी के बीच कृष्णानंद फाउंडेशन ई–रिक्शा यूनियन ने चुनाव मैदान में उतरने का एलान किया है। यूनियन का कहना है कि यदि राजनीतिक दलों ने ई–रिक्शा चालकों की समस्याओं और मांगों को अपने चुनावी एजेंडे में जगह नहीं दी, तो वह विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारेगी। प्रत्याशी यूनियन के बीच से ही किसी ई–रिक्शा चालक को बनाया जाएगा।कृष्णानंद फाउंडेशन के संस्थापक मुकुंद माधव त्रिपाठी ने बताया कि यूनियन की बैठक में इस संबंध में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि ई–रिक्शा चालक लंबे समय से रोजगार और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन राजनीतिक दल उनकी समस्याओं को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहे हैं। रामपथ पर लागू प्रतिबंधों के कारण चालकों को होने वाली परेशानियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यूनियन उनके रोजगार, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।

मुकुंद माधव त्रिपाठी के अनुसार, यूनियन में करीब 4,011 चालक जुड़े हैं। उनके परिवारों को मिलाकर बड़ी संख्या में मतदाताओं तक संगठन की पहुंच होने का दावा किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह स्वयं चुनाव नहीं लड़ेंगे। यूनियन के बीच से ही प्रत्याशी का चयन किया जाएगा। संभावित प्रत्याशियों में सहजाद आलम, विकास सिंह, मनोज दुबे और मोहम्मद आलम के नाम सामने आए हैं। हालांकि, अभी किसी नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगी है।यूनियन ने सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देने के लिए एक नवंबर को पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। मुकुंद माधव त्रिपाठी ने बताया कि यात्रा सरयू तट स्थित नया घाट से शुरू होगी। सरयू आरती के बाद पदयात्रा शीश पैगंबर साहब की मजार पहुंचेगी, जहां चादर चढ़ाई जाएगी।यात्रा में भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। यूनियन पदाधिकारियों के मुताबिक, पदयात्रा का उद्देश्य किसी सरकार या राजनीतिक दल का विरोध करना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, राष्ट्रीय अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है।

यूनियन के चुनाव लड़ने के एलान से अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में संभावित राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा शुरू हो सकती है। हालांकि, संगठन के चुनावी प्रभाव का आकलन उसके समर्थन और मतदाताओं की वास्तविक भागीदारी से ही हो सकेगा। फिलहाल यूनियन ने राजनीतिक दलों से ई–रिक्शा चालकों की समस्याओं को गंभीरता से लेने की अपील की है। अब देखना होगा कि राजनीतिक दल इन मांगों पर क्या रुख अपनाते हैं और यूनियन प्रत्याशी उतारने की घोषणा को किस तरह आगे बढ़ाती है।

बारहवीं की छात्रा प्रिया बनीं एक दिन की जिलाधिकारी, सुनी फरियादियों की समस्या

संवाददाता–महराजगंज। मिशन शक्ति फेज–6.0 के तहत शारदीय नवरात्रि के अवसर पर जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत मेधावी बेटियों को प्रशासनिक व्यवस्था व जन–कल्याणकारी कार्यों से रूबरू कराने का अवसर दिया जा रहा है। इसी क्रम में पंडित दीनदयाल इंटर कॉलेज की 12वीं जीव विज्ञान की मेधावी छात्रा प्रिया द्विवेदी गुरुवार को एक दिन की जिलाधिकारी बनीं। कलक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी की कुर्सी संभाली और जनता दर्शन में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। एक दिन की डीएम बनीं प्रिया द्विवेदी के सामने करीब एक दर्जन फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उन्होंने पूरी संवेदनशीलता व परिपक्वता के साथ घरेलू हिंसा, भूमि पैमाइश, पारिवारिक विवाद एवं पुलिस से जुड़े मामलों की सुनवाई की।

चौक थाना क्षेत्र के दरहटा गांव से आई एक महिला ने शिकायत की कि जमीन की पैमाइश होने के बावजूद विपक्षीगण जबरन कब्जा कर रहे हैं। इस पर एक दिन की डीएम

प्रिया ने चौक थानाध्यक्ष को निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए तत्काल कब्जा रुकवाने के आदेश दिए। वहीं निचलौल क्षेत्र के झुलनीपुर से आई एक महिला फरियादी ने सार्वजनिक शौचालय का संचालन सही ढंग से न होने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रिया ने जिला पंचायत राज अधिकारी को समस्या का शीघ्र समाधान कराने का निर्देश दिया।

शिकायतों की सुनवाई और प्रशासनिक जनसुनवाई के कामकाज के दौरान जहां भी एक दिन की डीएम प्रिया थोड़ी असहज दिखीं, वहां जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने आगे बढ़कर उनका मार्गदर्शन किया और हौसला बढ़ाया। कलक्ट्रेट में जनसुनवाई के बाद प्रिया ने मीडिया कर्मियों से बातचीत कर अपने अनुभव भी साझा किए। डीएम गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य बेटियों को प्रशासनिक तंत्र के कार्य–व्यवहार से रूबरू कराकर उनमें नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जगाना है। इस दौरान अतिरिक्त एसडीएम सिद्धार्थ गुप्त, जिला प्रोवेशन अधिकारी क्षमानाथ राय, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

ठगी के आरोपों पर विवेकानंद दास की सफाई, बोले– दोषी हूं तो कार्रवाई हो

निष्पक्ष जांच की मांग, मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। हनुमानगढ़ी से जुड़े तंत्र–मंत्र के नाम पर महिला से कथित ठगी के मामले में विवेकानंद दास ने प्रेसवार्ता कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए मामले को साजिश करार दिया। साथ ही थाना रामजन्मभूमि पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुकदमा दर्ज करने से पहले जांच किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि वह दोषी हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए।विवेकानंद दास ने महिला की ओर से कथित तौर पर 2.80 करोड़ रुपये लेने के लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि वह संबंधित महिला से कभी नहीं मिले और न ही उनके बीच किसी तरह का लेनदेन हुआ है। हवाई यात्रा से जुड़े आरोपों को भी उन्होंने गलत बताया। उनका कहना था कि वह आज तक विमान में नहीं बैठे हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य है तो उसे सामने लाया जाना चाहिए।

विवेकानंद दास ने आरोप लगाया कि हनुमानगढ़ी से जुड़े कुछ लोग पुरानी रंजिश के चलते उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। विवेकानंद दास ने कहा कि जब मामले में जांच के बाद मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया अपनाई जाती रही है, तो उनके प्रकरण में बिना जांच मुकदमा कैसे दर्ज कर लिया गया? उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना किसी ठोस साक्ष्य के उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने पूरे प्रकरण में पुलिस से निष्पक्षता बरतने की मांग की। उन्होंने सूरज दास को अपना शिष्य बताए जाने से भी इन्कार किया। रत्नाकर नाम के व्यक्ति से संबंध होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह उसे नहीं जानते। पूजा–पाठ और कर्मकांड के नाम पर रुपये लेने के आरोपों को भी उन्होंने निराधार बताया।विवेकानंद दास ने शासन–प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच में यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं, यदि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है तो इसकी भी सच्चाई सामने आनी चाहिए।फिलहाल, विवेकानंद दास ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। इंस्पेक्टर आरजेबी सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि साक्ष्य संकलन का कार्य किया जा रहा है विवेचना पूरी होने पर कार्रवाई होगी।

तेंदुए के हमले से बछिया की मौत, गन्ने के खेत में मिला शव

संवाददाता–बहराइच। बरुही गांव में एक बार फिर तेंदुए ने हमला कर चार साल की बछिया को मार डाला। गुरुवार सुबह करीब चार बजे बछिया का शव गन्ने के खेत में मिला। घटना के बाद पशुपालकों में दहशत है। ग्रामीणों को डर है कि अगर समय रहते तेंदुए को नहीं पकड़ा गया तो अगला निशाना इंसान भी बन सकता है।

बरुही निवासी आकाशदीप सिंह की चार साल की बछिया पर तेंदुए ने हमला किया था। परिवार ने इस पशु को वर्षों तक पाला था। उसकी मौत से परिवार दुखी है, वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी भी है। पशुपालकों को अब अपने मवेशियों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उन्हें डर है कि तेंदुआ फिर किसी पशु पर हमला कर सकता है।

ग्रामीणों के मुताबिक, तेंदुए के हमले की यह पहली घटना नहीं है। करीब एक सप्ताह पहले भी तेंदुए ने एक साल की बछिया को घायल कर दिया था। लगातार हो रही घटनाओं से गांव में डर का माहौल है। ग्रामीण खेतों और आसपास के इलाकों में मवेशियों को ले जाने से भी चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल टीम भेजकर घटनास्थल की जांच कराने, तेंदुए की निगरानी बढ़ाने और पिंजरा लगाकर उसे पकड़ने की मांग की है। रेंजर सत्य प्रकाश ने बताया कि उनकी टीम मौके पर पहुंच रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कोई बड़ी घटना हो सकती है।

महिला का मंगलसूत्र लेकर फरार दो ठगों को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम औरहिया के कोमर टोला निवासिनी इंद्रावती देवी से उसके पति को जान का खतरा बताकर की गई ठगी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ठग महिला का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों ठगों को गुरुवार को बांकी मां के मंदिर से पहले पीपल के पेड़ के समीप गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से पीली धातु का एक अदद मंगलसूत्र, बाइक व नौ वर्क कूटरचित ज्वेलरी रसीद बरामद भी बरामद की है। गिरफ्तार ठगों की पहचान अरविन्द निवासी ग्राम रमवापुर–पनियरा एवं राजू निवासी ग्राम बहरामपुर–पनियरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों का अपराधिक इतिहास रहा है। उनके खिलाफ कई थानों में मुकदमें भी दर्ज है। मंगलवार की दोपहर में इंद्रावती देवी के यहां भिखारी का हुलिया बना कर दो लोग पहुंचे और उसे झांसे में ले लिया। कुछ तंत्र–मंत्र करते हुए महिला को कहा कि उसके पति की असमय मौत होने वाली है। इसके बाद उसका मंगलसूत्र ले लिया और आधे घंटे तक किसी को कुछ न बताने को कहा। घटना के समय महिला का पति कहीं मजदूरी करने गया था। चर्चा के अनुसार दोनों युवक बाइक से आये थे और गांव के बाहर खड़ी कर गांव में गये थे। महिला को जब ठगे जाने का अहसास हुआ तो उसने शोर मचाया।

दोरांची नाले में मिला किशोरी का शव, परिजनों में कोहराम

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के रामपुर कारखाना क्षेत्र के दोरांची नाले की तरफ गई एक किशोरी पानी में डूब गई। गुरुवार को उसका शव उतराता मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव निवासी अंकिता (16) पुत्री फौजदार बुधवार की रात लगभग 8रू00 बजे भोजन करने के बाद घर से टहलने निकली थी। वह गौरा से सिधुआ मार्ग स्थित गांव के छठ घाट के पास दोरांची नाले में गिर गई। उसका चप्पल नाले के किनारे पड़ा था। जब देर रात तक वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। गुरुवार की सुबह उसका शव नाले में उतराता दिखा। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। दरोगा ज्योति नारायण तिवारी और कांस्टेबल इंद्रजीत वर्मा घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की। नाले में डूबने का वजह पता नहीं चल सका है। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे।थानाध्यक्ष अश्वनी प्रधान ने कहा कि किशोरी की नाले में डूबने से मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है । रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

खेत की जुताई के विवाद में चचेरे भाई ने युवक को गोली मार मौत के घाट उतारा, आरोपी फरार

संवाददाता—गोरखपुर। जिले के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के करनपुरा गांव में गुरुवार सुबह खेत की जुताई को लेकर हुए विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि युवक के चचेरे भाई ने उसके पेट में गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक जान बचाने के लिए भागा, लेकिन गांव की पुलिया के पास पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, मैथौली निवासी सुदामा पांडेय उर्फ गामा का करनपुरा गांव में ननिहाल है। उनके अन्य भाई करनपुरा में रहकर खेती करते हैं। बताया जा रहा है कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह सुदामा पांडेय का 26 वर्षीय बेटा शिवम पांडेय करनपुरा स्थित खेत की जुताई कराने पहुंचा था। इसी दौरान उसके चचेरे भाई राधेश्याम पांडेय उर्फ रधई ने खेत जोतने से मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद ट्रैक्टर वहां से चला गया। आरोप है कि ट्रैक्टर के जाने के बाद रधई का एक अन्य भाई मौके पर पहुंचा और शिवम को गोली मारने के लिए ललकारा। इसके बाद रधई ने शिवम पर गोली चला दी। गोली पेट में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जान बचाने के लिए शिवम भागा, लेकिन पुलिया के पास पहुंचते ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही हरपुर बुदहट के थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संकल्प सेतु शिविर में 70 आवास लाभार्थियों को प्रमाणपत्र, 120 को जॉब कार्ड वितरित

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या में सेवा संकल्प अभियान के तहत रुदौली और मवई ब्लॉक परिसर में आयोजित सात दिवसीय संकल्प सेतु शिविर का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। इस दौरान विधायक रामचंद्र यादव ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के 70 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाणपत्र, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 140 शौचालयों के स्वीकृति प्रमाणपत्र और बीबीजी राम जी योजना के तहत 120 जॉब कार्ड वितरित किए। विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से गरीबों, किसानों, महिलाओं और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य पात्र लोगों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ की जानकारी दी। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के बारे में 170 लाभार्थियों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग के शिविर में 250 लोगों को दवाएं वितरित की गईं। खाद्य एवं रसद विभाग ने 250 लाभार्थियों को गैस सुरक्षा, नए कनेक्शन और बुकिंग की जानकारी दी। शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों में संचालित योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुंचाने के लिए जागरूक किया। विद्युत विभाग ने नए कनेक्शन और मीटर ठीक कराने की प्रक्रिया बताई। बाल विकास विभाग की ओर से दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और दो बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। समाज कल्याण विभाग ने ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन कर उन्हें स्वीकृति दिलाने की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान खंड विकास अधिकारी अखिलेश गुप्ता, तहसीलदार विजय गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सुमन पासवान, जिला मंत्री तेज तिवारी, गन्ना समिति अध्यक्ष निर्मल शर्मा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा और रामराज लोधी मौजूद रहे।

व्यावसायिक मॉडल के जरिए विद्यार्थियों ने दिखाई नवाचार की प्रतिभा

संवाददाता—गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग की ओर से गुरुवार को बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी व्यावसायिक विचारों को मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उद्यमिता, रचनात्मकता और व्यावहारिक व्यावसायिक सोच का परिचय दिया। प्रतियोगिता में इको इनोवेटर्स समूह ने ध्वनि प्रदूषण की समस्या के समाधान पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। अक्षिति समूह ने थ्री–डी मॉडल थियेटर की अवधारणा रखी। निर्णायकों ने निर्धारित अंकों के आधार पर इको–साइलेंस मॉडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्टाइल मैच मॉडल द्वितीय तथा थ्री–डी वेव मॉडल तृतीय स्थान पर रहा।

राप्तीनगर अग्निकांड: पति के बाद पत्नी की बीआरडी में इलाज के दौरान मौत

संवाददाता—गोरखपुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के राप्तीनगर फेज–एक में गैस रिसाव के बाद लगी आग में झुलसीं जया दास (70) की गुरुवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे पहले उनके पति रंजन दास (75) ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। हादसे में घर में काम करने वाली दशवती देवी (65) भी गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उनकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। गैस एजेंसी का हाकर इंद्रेश भी हादसे में झुलसा था। राप्तीनगर फेज–एक स्थित एलआईजी–156 मकान में शनिवार, 10 अक्टूबर की सुबह घरेलू गैस सिलिंडर की पाइप और चूल्हे की मरम्मत के दौरान आग लग गई थी। रंजन दास के घर में सिलिंडर से गैस धीमी जल रही थी। इसे ठीक कराने के लिए गैस एजेंसी के हाकर को बुलाया गया था। मरम्मत के दौरान गैस रिसाव की जांच की जा रही थी, तभी अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में आने से रंजन दास, उनकी पत्नी जया दास, घर में काम करने वाली दशवती देवी और हाकर झुलस गए थे। हादसे के बाद रंजन दास, जया दास और दशवती देवी को उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गैस हाकर का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा था। गंभीर रूप से झुलसे रंजन दास की 11 अक्टूबर की भोर में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। अब पत्नी जया दास की भी मौत हो गई। हादसे में दंपती की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एक फर्म को करोड़ों के भुगतान पर उठे सवाल, बिना टेंडर खरीदारी और 12 हजार की मशीन के लिए 50 हजार देने का आरोप

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायतों में हर्षिता इंटरप्राइजेज को किए गए भुगतानों की जांच की मांग उठी है। भीमापार निवासी अधिवक्ता प्रशस्त उपाध्याय ने 15 अक्टूबर को प्रमुख सचिव, जिलाधिकारी और राज्य कर आयुक्त से शिकायत कर फर्म के कारोबार, खरीदारी और सरकारी धन के इस्तेमाल की जांच करने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जिले के कई विकासखंडों में बिना टेंडर प्रक्रिया अपनाए फर्म को भुगतान किया गया। खुनियांव ब्लॉक की गौरडीह ग्राम पंचायत में फॉगिंग मशीनों की खरीद को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। संबंधित विभाग और फर्म का पक्ष सामने आने पर मामले की स्थिति और स्पष्ट होगी।

अधिवक्ता प्रशस्त उपाध्याय के मुताबिक, जिले के लगभग सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों से हर्षिता इंटरप्राइजेज को भुगतान किए जाने की जानकारी मिली है। शिकायतकर्ता ने शोहरतगढ़ विकासखंड की अतरी और महमूदुल्लाह ग्रांट समेत कई ग्राम पंचायतों में हुए भुगतानों के दस्तावेज होने का दावा किया है। उन्होंने भुगतान की कुल रकम और खरीदी गई वस्तुओं का ब्योरा सार्वजनिक जांच के जरिए सामने लाने की मांग की है।

खुनियांव ब्लॉक की गौरडीह ग्राम पंचायत में फॉगिंग मशीनों की खरीद पर खास तौर से सवाल उठाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, चार मशीनों की आपूर्ति के नाम पर भुगतान किया गया, जबकि शिकायतकर्ता का दावा है कि वहां केवल एक मशीन की आपूर्ति होनी चाहिए थी। बाजार में करीब 12 हजार रुपए कीमत वाली मशीन के लिए 45 से 50 हजार रुपए तक भुगतान किए जाने का भी आरोप है। वास्तविक संख्या, कीमत और आपूर्ति के रिकॉर्ड की जांच से ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

शिकायत में पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई है। यह पता लगाने पर जोर दिया गया है कि खरीदारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन हुआ या नहीं और भुगतान मंजूर करने से पहले बिलों तथा सामान की आपूर्ति का सत्यापन किया गया था या नहीं। अधिवक्ता ने भुगतान की प्रक्रिया और सरकारी धन के इस्तेमाल की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

अधिवक्ता ने राज्य कर आयुक्त से फर्म के जीएसटी बिलों, टैक्स भुगतान और सरकारी खजाने में जमा रकम की पड़ताल कराने की मांग की है। शिकायत में यह भी जांचने को कहा गया है कि बिलों में दिखाई गई जीएसटी राशि के अनुसार टैक्स जमा हुआ या नहीं और टीडीएस समेत अन्य वैधानिक कटौतियों का पालन किया गया या नहीं। बिल, भुगतान विवरण और आपूर्ति संबंधी रिकॉर्ड की जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

प्रेमी से मिलने की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी किशोरी, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज–बस्ती मार्ग पर बैदौला गांव के पास गुरुवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब 15 वर्षीय किशोरी मोबाइल टावर पर चढ़ गई। सूचना पर पुलिस, अग्निशमन दल और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। किशोरी को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी देर तक समझाने का प्रयास किया गया। इस दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुटने से आवागमन प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बन गई। किशोरी की पहचान बरई बंगवा निवासी उमा पुत्री साजन, के रूप में हुई है। स्वजन के अनुसार वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बिहार के एक युवक के संपर्क में आई थी। बताया जा रहा है कि किशोरी युवक से मिलने की जिद पर अड़ी थी। उसके पिता रोजी–रोटी के सिलसिले में असम में रहते हैं। परिवार में चार बेटियां हैं और उमा दूसरे नंबर की है। स्वजन का आरोप है कि मंगलवार को युवक के किशोरी से मिलने आने की सूचना पुलिस को दी गई थी। उनका कहना है कि उस समय समझाने के बाद किशोरी को घर भेज दिया गया था। गुरुवार को टावर पर चढ़ने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे। घटना के दौरान प्रशासनिक टीम किशोरी को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटी रही।

दो युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता—गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज के वार्ड नंबर 13 श्यामनगर में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के दौरान सभासद प्रेम चौहान के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। सभासद ने बरईपुर गांव के दो युवकों के खिलाफ पीपीगंज थाने में तहरीर दी है। प्रेम चौहान के अनुसार,14 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे वह नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा के साथ वार्ड में कराए जा रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने बरईपुर गांव पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के दो युवकों ने उन्हें घेर लिया और गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 755 / 2022

D202617630000306

धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय (न्यायिक) महोदय सिद्धार्थनगर जिला सिद्धार्थनगर

सिराजुलहक हनीस चौधरी

बनाम

सरकार उ0प्र0

साकिन धन्धरा तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

1. फारूक आजम चौधरी 2. फिरोज अहमद चौधरी 3. फैज अहमद चौधरी 4. जुबैर अहमद चौधरी पुत्रगण अब्दुल कुद्दुस 5. ताजरून्निशा पत्नी अब्दुल कुद्दुस 6. अब्दुल माबूद पुत्र मो0 यासीन 7. अब्दुल खालिक पुत्र मो0 यासीन 8. जहीरूदीन 9. सलाहुद्दीन 10. कलाम पुत्रगण मो0 अकरम 11. मैमुन्निशा पत्नी मो0 अकरम 12. मो0 असलम पुत्र अली रजा समस्त निवासीगण ग्राम धन्धरा तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22—10—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

— द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 755 / 2022

धारा 134 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला सिद्धार्थनगर

मु0 रफील

बनाम

सत्यावती

साकिन बड़हरा तप्पा कुदरन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

1. श्रीमती सत्यावती पत्नी देवनरायन साकिन सुहई कनपुरवा

—प्रतिवादी प्रथम पक्ष

2. अध्यक्ष भू0प्र0 साकिन मिश्रौलिया तप्पा कुदरन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 3. उ0प्र0 सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर

—प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 22—10—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 15 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

— द0 हाकिम

पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर शाहिद मुनीर सिद्दीकी को गिरफ्तार किया

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। आलापुर थाना पुलिस ने एससी–एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज दो मुकदमों में जारी गैर–जमानती वारंट के आधार पर हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी शाहिद मुनीर सिद्दीकी (50) आलापुर थाना क्षेत्र के हुसैनपुर मुसलमान गांव का निवासी है। उसके खिलाफ विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट न्यायालय से दो अलग–अलग मामलों में गैर–जमानती वारंट जारी किए गए थे। वारंट के अनुपालन में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पहला मुकदमा वर्ष 2014 में दर्ज हुआ था। इसमें मारपीट, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों के साथ एससी–एसटी एक्ट की धाराएं शामिल हैं। वहीं, दूसरा मुकदमा वर्ष 2022 में दर्ज किया गया था। इसमें जहरखुरानी से संबंधित धारा 328, महिला से विरुद्ध अपराध से संबंधित धारा 354ख समेत अन्य धाराओं और एससी–एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि शाहिद मुनीर सिद्दीकी आलापुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ आलापुर और बसखारी थानों में दर्ज पुराने मामलों सहित कुल सात आपराधिक प्रकरण पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और मारपीट से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत निवारक कार्रवाई भी की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान चकबन्दी अधिकारी (आर) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– रिमान्ड / 26

धारा 9 ए0 सीएच0एक्ट

अर्जुन

बनाम

सरकार आदि

बावत मौजा प्रतापपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

1. सरकार उ0प्र0 2. सुदर्शन पुत्र सत्यनरायन साकिन चपरा पूर्वी कोचरी परगना महुली पश्चिम तहसील घनघटा जिला संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा प्रतापपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02—11—2026

चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 11 के 02 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत—श्रीमान उप जिलाधिकारी बस्ती सदर जिला—बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0— 25

जोखूराम

बनाम

मिथिलेश आदि

1. मिथिलेश पत्नी सुनील कुमार साकिन बनकटा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. आलोक कुमार श्रीवास्तव 3. अनिल कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण अमित कुमार श्रीवास्तव निवासीगण मौजा भानपुर रानी परगना भानपुर रानी तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 21—10—2026

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबूदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 10 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबूदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 14 माह 10 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) खलीलाबाद, स्थान बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं०— 119 / 2025

रघुनाथ—सायलान

1. रघुनाथ उम्र 46 वर्ष 2. रघुवीर उम्र 40 वर्ष 3. जगन्नाथ उम्र 38 वर्ष पुत्रगण विश्राम साकिनान मौजा कराहपिठिया, पोस्ट कराहपिठिया, तप्पा कोरउ, परगना महुली पश्चिम, तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03—12—2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख 03—12—2026 मुकर्रर करें। हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

मूलवाद सं0—214 / 2006

रामऔतार

बनाम

जवाहिर आदि

7 / 1. इसरावती देवी से 70 साल पत्नी राजेन्द्र 7 / 2 संजय उम्र 50 साल, 7 / 3 सुजीत कुमार उम्र 46 साल, 7 / 4 अजीत कुमार उम्र 48 साल पुत्रगण राजेन्द्र, 7 / 5 कौशिल्या देवी उम्र 46 साल, 7 / 6– सुमन देवी उम्र 44 साल 7 / 7 कुसुम देवी उम्र 42 साल पुत्रीगण राजेन्द्र निवासी मौजा गागरगाड़ 7 / 8 सुमन्ती देवी उम्र 40 साल पुत्री रावेन्द्र निवासी मौजा गागरगाड़ तप्पा मथ्थी परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला सन्तकबीरनगर

तारीख पेशी 27—10—2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जाय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

रिश्वत मांगने का वीडियो वायरल होने पर बीएसए की बड़ी कार्रवाई, लिपिक निलंबित

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बीएसए कार्यालय में कार्यरत एक लिपिक का रिश्वत मांगने से संबंधित वीडियो प्रसारित हो रहा है। बीएसए शैलेश कुमार ने गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो को स्वतः संज्ञान में लेने के बाद लिपिक मनीष कुमार उपाध्याय को निलंबित कर दिया। लखनऊ के एक विभागीय अधिकारी ने बीएसए को फोन करने के बाद वीडियो के संबंध में अवगत कराया। संबंधित लिपिक को खंड शिक्षा अधिकारी नौगढ़ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। इसकी जांच वित्त एवं लेखाधिकारी अभिनव कुमार सिंह व बीइओ शोहरतगढ़ संजय कुमार को दी गई है। बीएसए कार्यालय के एक लिपिक का बढ़नी ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय में तैनात एक शिक्षक से रिश्वत मांगने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में शिक्षक के रुके हुए इंक्रीमेंट को फिर से बहाल करने से संबंधित बातचीत होती दिखाई दे रही है। वीडियो के फ्रेम में आरोपित लिपिक का चेहरा दिखाई दे रहा है और वह अधिकारियों का पदनाम लेते हुए, कहते हैं कि इनका हिस्सा जब पहुंचेगा तो काम आगे बढ़ेगा। यह मामला लखनऊ के विभागीय कार्यालय तक पहुंच गया। वहां के एक समकक्ष अधिकारी ने बीएसए को फोन किया और बीएसए को अवगत कराया। इसके बाद कार्रवाई करते हुए संबंधित को निलंबन आदेश जारी किया गया इंटरनेट मीडिया पर लिपिक का काम कराने के लिए रिश्वत मांगने से संबंधित वीडियो प्रसारित हो रहा है। इसे स्वतः संज्ञान में लेने के बाद संबंधित लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। अभी तक इस मामले में किसी ने शिकायत नहीं दर्ज कराई है। वीडियो में शिक्षक का चेहरा भी नहीं दिखाई दे रहा है। लेकिन जिसका नाम ज्ञात हुआ है, उसे बुलाकर पूछताछ की जाएगी। मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है।

सपा विधायक के फलाहार में भगवा रंग, कार्यक्रम में पहुंचे भाजपाई

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जलालपुर से सपा विधायक राकेश पांडेय के अकबरपुर स्थित आवास पर गुरुवार को फलाहार कार्यक्रम राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी दिखाई दी। विधायक के बेटे और पूर्व सांसद रीतेश पांडेय लोगों को भगवा गमछा पहनाते नजर आए। खुद विधायक भी भगवा गमछा पहने दिखाई दिए। आयोजन में समाजवादी पार्टी के नेताओं की गैरमौजूदगी ने भी लोगों का ध्यान खींचा। एक ही परिवार में पिता सपा से विधायक हैं, जबकि बेटा रीतेश पांडेय भाजपा में सक्रिय हैं। ऐसे में विधायक के आवास पर भगवा रंग की प्रमुखता और भाजपाइयों की मौजूदगी ने जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी। फलाहार कार्यक्रम में भगवा गमछे पहनने की तस्वीरें चर्चा का प्रमुख कारण बनीं। रीतेश पांडेय कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को गमछा पहनाते दिखाई दिए, जबकि विधायक राकेश पांडेय भी भगवा गमछे में नजर आए। आयोजन सपा विधायक के आवास पर हुआ, लेकिन वहां भाजपा समर्थकों की सक्रियता चर्चा में रही। इस कार्यक्रम में परिवार की अलग–अलग राजनीतिक पहचान भी चर्चा के केंद्र में रही। राकेश पांडेय समाजवादी पार्टी से विधायक हैं, जबकि उनके बेटे और पूर्व सांसद रीतेश पांडेय भाजपा में हैं। दोनों की राजनीतिक पृष्ठभूमि के बीच एक ही आवास पर हुए आयोजन ने जिले की राजनीति में लोगों का ध्यान खींचा। आयोजन के दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं की गैरमौजूदगी भी चर्चा का विषय रही। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी साफ दिखाई दी। इसी वजह से फलाहार कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। भगवा गमछों और भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बीच हुए इस आयोजन को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इसका राजनीतिक संदेश क्या है।

महिला सुरक्षा के लिए नगर निगम में चला जागरूकता अभियान

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा सुविधाओं और सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करने के लिए नगर निगम ने मिशन शक्ति–6.0 के तहत अभियान चलाया। कर निर्धारण अधिकारी अनुष्का सिंह के नेतृत्व में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश दिया गया। इस दौरान महिला हेल्पलाइन 181, महिला पावर लाइन 1090 और पुलिस आपातकालीन सेवा 112 समेत विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि किसी भी तरह के उत्पीड़न, असुरक्षा या परेशानी की स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन की मदद ली जा सकती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जानकारी साझा की गई। नगर निगम से संबंधित शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर 8810709390 और नागरिक सहायता के लिए टोल–फ्री नंबर 1533 के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com